Krishna All Clear

कृष्णा ॲग्रीबिझनेस डेव्हलपमेंट प्रा. लि.

Certified by

biocert International Pvt. Ltd.

IFOAM ACCREDITED

फसलों को ताकतवर बनानेवाले ऑल क्लियर के बारे में अधिक जानकारी.

• कुपोषित फसल बीमारी का घर

रासायनिक खादों के इस्तेमाल से मिटटी ख़राब हो जाने के कारण, फसलों को उनकी आवश्यकतानुसार भोजन ना मिल पाने के कारण, हमारी फसलों का कुपोषण हो रहा है, जैसे कमजोर आदमी बार - बार बीमार पड़ता है, उसी प्रकार कुपोषण के कारण हमारी फसलें कमजोर हो जाती है, इसलिए उन पर किड और रोगों का अटेक होता है, "कृष्णा ऑल क्लियर" में मौजूद घटक सिलिका सभी फसलों के लिए आवश्यक घटक है, इसकी कमी भी कुपोषण कहलाती है, और यह घटक अगर आवश्यक मात्रा में फसलों को मिले, तब इस घटक के कारण नहीं मिल रहे घटक भी फसल को उपलब्ध होने लगते हैं.

• ताकतवर फसल की प्रतिकार क्षमता ज्यादा होती है

पृथ्वी पर सजीवों की ८४ लाख योनी हैं, उसमें एक हम हैं, उसी प्रकार कीड़ों की अनेक प्रजाती हैं, जिनका अस्तित्व पृथ्वी पर हमेशा रहता है, जिस फसल को सम्पूर्ण भोजन मिलता है, उसकी प्रतिकारशक्ति अच्छी होने के कारण वह फसलें कीड़ों को प्रतिकार करती हैं, इसलिए कीड़ों के प्रकोप से बची रहती हैं.

• "कृष्णा ऑल क्लियर" फसल की प्रतिकारशक्ति बढ़ाता है

"कृष्णा ऑल क्लियर" में जो मुख्य घटक है उसका नाम है सिलिका, सिलिका सभी फसलों के लिए जरुरी है, जिस फसल को समुचित मात्रा में सिलिका घटक की उपलब्धता होती है, उस फसल की प्रतिकारशक्ति ज्यादा होती है, ऐसी फसल पर किटक और रोगों का हमला जल्दी नहीं होता.

• "कृष्णा ऑल क्लियर" बाजार के उत्पादनों से साढ़े चार गुना ताकतवर है

यह उत्पादन द्रव्य (लिक्विड) स्वरूप में है, तथा इसमें ७० प्रतिशत सिलिकॉन घटक है, बाजार में बहोत सारी कम्पनियाँ सिलिकॉन घटक के उत्पादन बनाती है,परन्तु उसमे सिलिकॉन घटक १.५ से १५ प्रतिसत तक होता है, अगर सबसे ज्यादा प्रतिसत वाले उत्पादन की बात करें तब भी "कृष्णा ऑल क्लियर" साढ़े चार गुना ज्यादा पावरफुल है, बाजार के सबसे अच्छे उत्पादन की कीमत में हम साढ़े चार गुना ज्यादा पावरफुल उत्पादन देते है,

• रस चूसनेवाले किटकों का सफाया करता है

रस चूसनेवाले किटक किसी भी फसल का सबसे ज्यादा नुकसान करते है, फसल की ग्रोथ रुक जाती है, फल तथा फूल बिना किसी कारण के गिरने लगते है. सिलिकॉन

घटक फसल के पत्तों के एपिडरमन सेल में एक कठिन लेयर बनाता है, इस लेयर के कारण, रस चूसनेवाले किटक फसल के पत्तों से रस चूसने में असमर्थ होने के कारण, भूखे रहकर मर जाते है, मतलब फसल रस चूसनेवाले किटको द्वारा पहुचाये जानेवाले नुकसान से बच जाती है.

• इल्ली के प्रकोप को कुछ प्रमाण में रोकता है

सिलिकॉन घटक इल्ली (आळी) द्वारा होनेवाले नुकसान से भी आपकी फसल का बचाव करता है, इल्ली जब अंडे से बाहर निकलती है, फूल और पत्तों का बहोत ज्यादा नुकसान करती है, अंडे के बाहर निकली इल्ली छोटी होने के कारण, जैसे ही पत्तों को खाना सुरु करती है, सिलिकॉन के कठिन लेयर के कारण उसके दात घस जाते है, दात घस जाने के कारण इल्ली पत्तों को नहीं खा पाती, परिणामस्वरूप भूखी रहकर मर जाती है, इस प्रकार इल्ली से फसल का कुछ प्रमाण में बचाव होता है, परन्तु यह फायदा सिर्फ उन फसलों पर मिलेगा जिन पर लगातार "कृष्णा ऑल क्लियर" का छिड़काव किया गया है, ऐसी फसलों पर इल्ली के अटेक को रोकने के लिए सस्ती रासायनिक दवाओं से भी कंट्रोल मिल जाएगा.

• "कृष्णा ऑल क्लियर" पेस्टिसाइड के पावर को बढ़ाता है

आपको "कृष्णा ऑल क्लियर" के साथ कोई भी रासायनिक सस्तीवाली दवा मिलाकर छिड़काव करने से भी बेहतरीन रिझल्ट मिलेगा, जिस फसल पर ज्यादा मात्रा में किड तथा रोगों का प्रकोप बढ़ गया है, वह फसल भी "कृष्णा ऑल क्लियर" के साथ पेस्टीसाइड मिलाकर ३ से ४ छिड़काव के बाद किटक तथा रोगों से मुक्त बनती है, "कृष्णा ऑल क्लियर" के साथ मल्टीप्लायर भी दिया हो तब आप फसल किड तथा रोगों से मुक्त होने के बाद पेस्टीसाइड का इस्तेमाल बंद कर सकते है, फसल का लगातार निरिक्षण करते रहें, जब भी किड तथा रोग की समस्या दिखे तुरंत रासायनिक दवा के साथ "कृष्णा ऑल क्लियर" तथा मल्टीप्लायर का छिड़काव करें, "कृष्णा ऑल क्लियर" का नियमित इस्तेमाल सुरु रहने से किड तथा रोगों के लिए किये जानेवाले छिड़काव कम से कम हो जाएंगे, तथा जब भी समस्या आएगी, कंट्रोल तुरंत एक या दो छिड़काव में मिल जाएगा.

• पत्तों की फंगस समस्या में रामबाण है

"कृष्णा ऑल क्लियर" सभी प्रकार की फफूंद (बुरशी जन्य रोग) बीमारियों पर भी काम करता है, जहां "कृष्णा ऑल क्लियर" का नियमित इस्तेमाल हो रहा होता है, उन किसान भाइयों को फफूंद नाशक बीमारियों की चिंता नहीं करना पड़ती. बहोत सारी फसलों में, जैसे अंगूर की बाग में आनेवाला डाऊनी रोग या बेल पर लगनेवाली

सब्जियों में फफूंद रोग एक गंभीर समस्या है, परन्तु जो किसान भाई "कृष्णा ऑल क्लियर" का नियमित इस्तेमाल कर रहे है, उनको फफूंद की प्रॉब्लेम कभी नहीं आती, अगर आई तो एक छिड़काव में कंट्रोल हो जाती है.

• गन्ने तथा चावल की फसल में जमीन से देना फायदेमंद है

"कृष्णा ऑल क्लियर" गन्ना (शेरडी) तथा चावल (धान - डांगर) की फसल को सिलिका घटक की आवश्यकता ज्यादा मात्रा में होती है, सिलिका की कमी के कारण फसल की ग्रोथ प्रभावित होती है, परिणामस्वरूप उत्पादन में कमी आती है, चावल की फसल के लिए एक एकड़ में २५० मिली तथा गन्ने की फसल में एक एकड़ में एक लीटर जमीन से देना चाहिए, पहले इसका प्रमाण ज्यादा था, परंतु नए अनुसंधान के बाद उपरोक्त मात्रा के इस्तेमाल से अच्छा परिणाम मिल रहा है.

प्रकाश संश्लेषण बढ़ जाता है

• खेती व्यवस्था में प्रकाश संश्लेषण सबसे आवश्यक है, प्रकाश संश्लेषण जितना ज्यादा होगा, फसल उतना ज्यादा भोजन बनाती है, सिलिका घटक प्रकाश संश्लेषण को बढ़ावा देता है.

• छिड़काव में इस्तेमाल का तरीका तथा मात्रा

किसी भी फसल के लिए अगर आप हर सप्ताह छिड़काव करते है, तब १५ लीटर पानी में २ मिली आल क्लियर मिलाकर छिड़काव करें, अगर किड तथा रोग की समस्या गंभीर हो तब पहली बार किये जानेवाले छिड़काव में १५ लीटर पानी में ५ से १० मिली मिला सकते हैं, उसके बाद रेग्युलर छिड़काव में २ मिली की मात्रा अपेक्षित परिणाम देती है.

• किसी भी खाद या दवा में मिलाया जा सकता है

"कृष्णा ऑल क्लियर" किसी भी रासायनिक दवाई में तथा रासायनिक खाद में मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है.

KRISHNA AGRIBUSINESS DEVELOPMENT

Exclusively Marketed By:
KRISHNA AGRIBUSINESS DEVELOPMENT PVT. LTD.
Regd Office : Bhokar, Tal & Dist.: Dhule 424 002, Maharashtra, India
Customer Care : +91 88 88 92 00 11
Email : kyc.kad@gmail.com
Website : www.krishnaagribusiness.com